1

# सीख
## (कविता)

**प्रतिध्वनि**

प्रकृति की सभी चीजों में कुछ ना कुछ अद्भुत है। – अरस्तु

दूर पहाड़ हमें सिखलाते,
बनो अचल मन साधो।
करो परिश्रम अंतिम दम तक,
मत जीवन से भागो।

झिलमिल-झिलमिल तारे कहते,
सदा चमकते रहना।
अंधकार कितना हो फैला,
हर पल लड़ते रहना।

कलम सिखाती हमको लिखना,
पुस्तक ज्ञान बढ़ाना।
लहर-लहर लहरें सिखलातीं,
लहराते ही जाना।

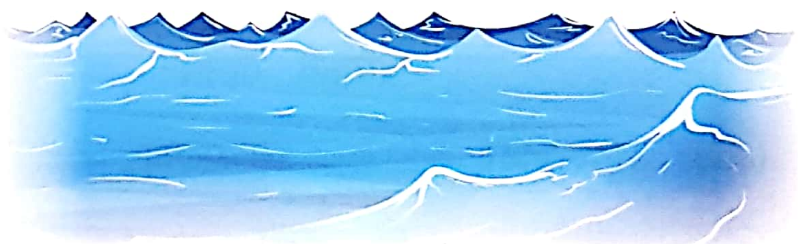

जीवन का उद्देश्य है बढ़ना,
नई मंजिलें पाना।
पहुँच गगन में जाओ तुम,
पर, धरती नहीं भुलाना।

Scanned with CamScanner

**जीवन मूल्य :** अपने आस-पास की प्रत्येक वस्तु को सकारात्मक रूप से देखने पर हमें सदा सीख मिलती है।

## शब्दार्थ

| | | | |
|---|---|---|---|
| अचल | – स्थिर, गतिहीन | परिश्रम | – मेहनत |
| दम | – साँस, श्वांस | अंधकार | – अँधेरा |
| पल | – समय का एक छोटा भाग, क्षण | उद्देश्य | – लक्ष्य |
| ज्ञान | – जानकारी | मंजिल | – अंतिम पड़ाव, मुकाम |

## पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

**लिखित** [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

(क) झिलमिल-झिलमिल .................. कहते,
.................... चमकते रहना।

(ख) लहर-लहर ............... सिखलातीं,
.................... ही जाना।

(ग) करो ............... अंतिम दम तक,
मत ................. से भागो।

2. सही उत्तर पर ( ✓ ) का चिह्न लगाइए–

(क) कलम हमें क्या सिखा रही है?

(i) पढ़ना ◯ (ii) लिखना ◯ (iii) लड़ना

## 2

# पंडित भोलानाथ

## (चित्रकथा)

**प्रतिध्वनि**

**सुनो सबकी करो मन की।**

पंडित भोलानाथ बहुत भोले थे। वे छल–कपट की बातें नहीं जानते थे। एक बार वह एक यजमान के घर भोजन करने गए।

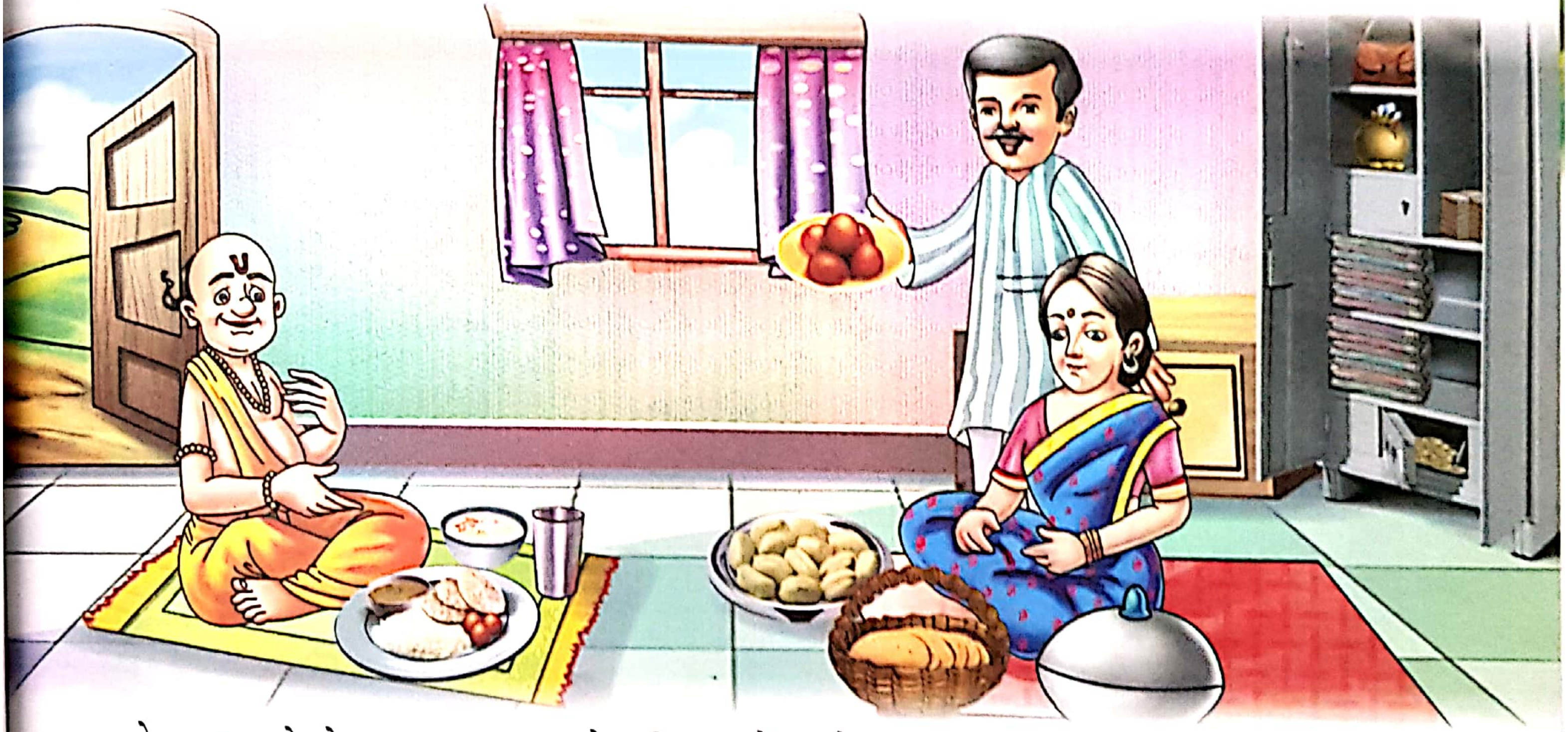

भोजन कराने के बाद यजमान ने दक्षिणा में उन्हें एक बकरी दी। वे बकरी देते हुए बोले–

महाराज! इसे
स्वीकार कीजिए।
यह आपके और
आपके बच्चों के
काम आएगी।

Scanned with CamScanner

पंडित जी बकरी का बच्चा लेकर अपने घर चल पड़े। थोड़ी देर चलने के बाद उन्होंने सोचा– यह बकरी का बच्चा है। थक गया होगा......

ऐसा सोचकर बकरी के बच्चे को कंधे पर रखकर पंडित जी आगे चलने लगे। उधर से तीन ठग आ रहे थे। तीनों ठगों ने आपस में सलाह करके पंडित जी को ठगने की योजना बनाई। उनमें से एक ठग पंडित जी के पास आया और बोला–

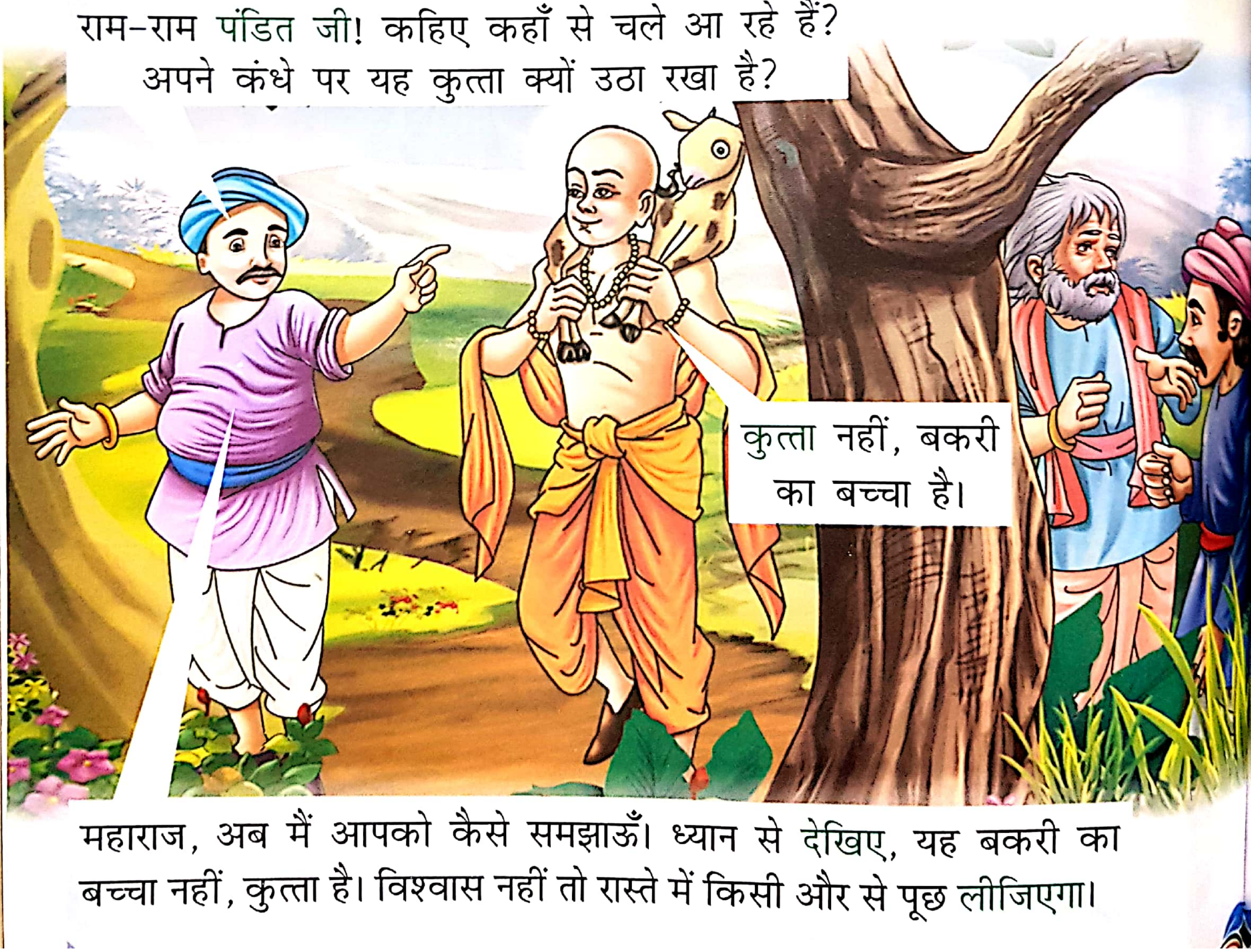


Scanned with CamScanner

पहला ठग चला गया। थोड़ी दूर चलने के बाद दूसरा ठग मिला। पंडित जी को नमस्कार किया और बोला–

पंडित जी! यह कुत्ता आपको कहाँ से मिला? बड़ा अच्छा है!

अरे! तुम्हें यह कुत्ता दिखाई दे रहा है? यह बकरी का बच्चा है। ठीक से दिखाई नहीं देता क्या?

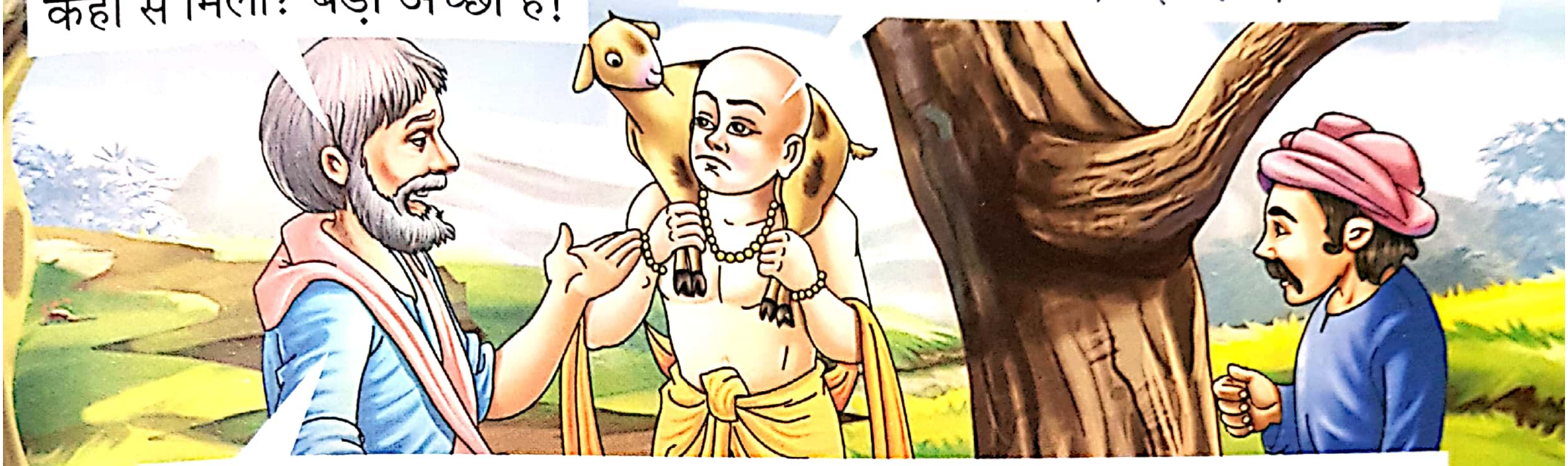

महाराज! आपको क्या हो गया है? जरा ध्यान से देखिए, यह बकरी नहीं कुत्ता है। किसी ने आपको धोखा दिया है, पंडित जी!

अभी दोनों की बातचीत हो रही थी तभी तीसरा ठग भी वहाँ आ गया और बोला–

पंडित जी! आप ब्राह्मण होकर कुत्ते को कंधे पर बिठाकर घूम रहे हैं। आपका शरीर अपवित्र हो गया है। इसे छोड़कर पहले आप स्नान करने जाइए, अन्यथा लोग आपकी हँसी उड़ाएँगे।

ठगों की बात सुनकर पंडित जी सोचने लगे–

तीन–तीन आदमी इसे कुत्ता बता रहे हैं, तो यह कुत्ता ही होगा।

यह सोचकर वे बकरी के बच्चे को वहीं कंधे से उतारकर यजमान के घर लौट पड़े।

यजमान के घर पहुँचकर पंडित जी ने सारी बात कह सुनाई। सारी बातें सुनने के बाद यजमान ने कहा–

पंडित जी, उन तीनों धूर्तों ने आपको ठग लिया। वह कुत्ता नहीं, बकरी ही थी। आपको उनकी बातों में नहीं आना चाहिए था।

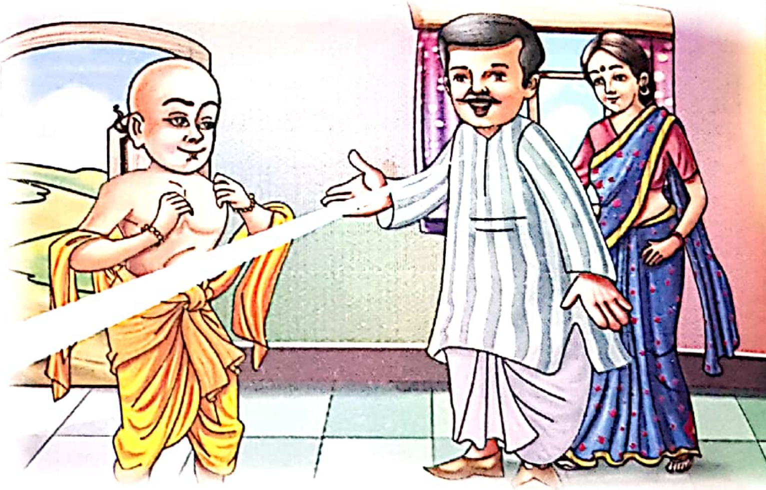

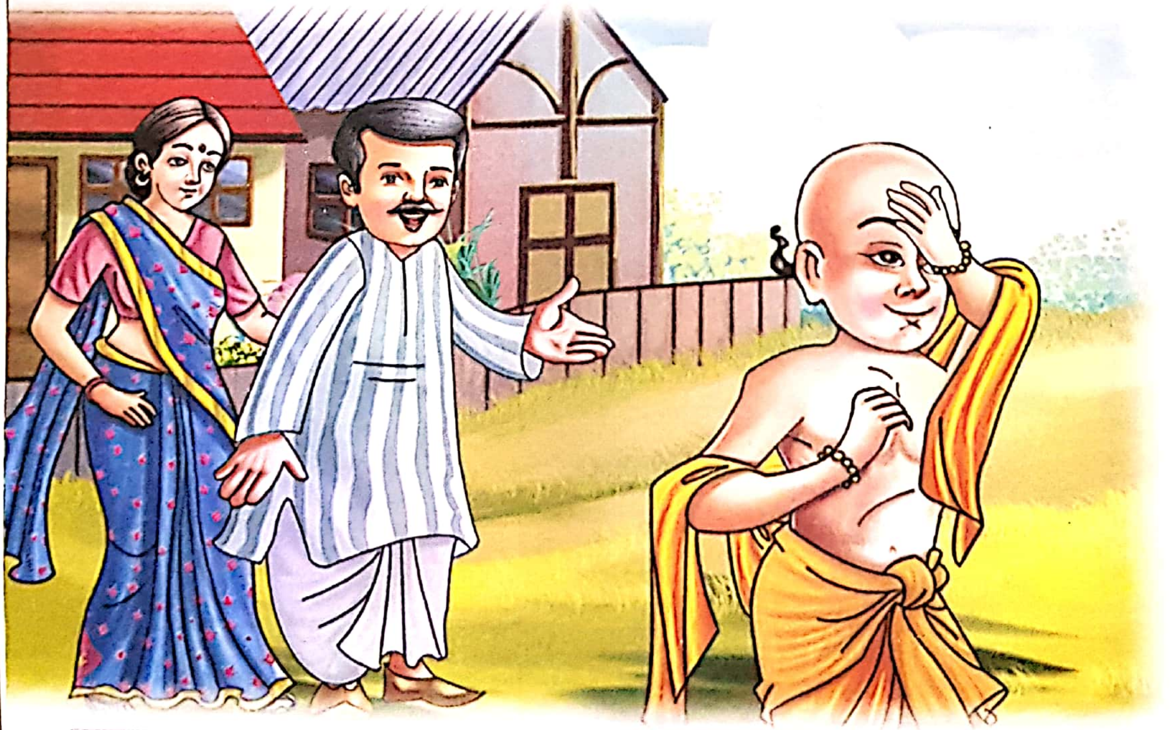

पंडित जी ने अपना माथा पीट लिया। उन्हें अपनी बुद्धि से काम लेना चाहिए था। किसी ने ठीक ही कहा है-

'दूसरों की बातों में नहीं आना चाहिए अर्थात, सुनो सबकी, करो मन की।

**जीवन मूल्य : हमें बिना सोचे-समझे दूसरों की बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।**

Scanned with CamScanner

## शब्दार्थ

| | | | |
|---|---|---|---|
| यजमान | – धार्मिक कार्य कराने वाला | बुद्धि | – दिमाग |
| छल-कपट | – धोखेबाजी | ठग | – धोखा देकर लूटने वाला |
| अपवित्र | – गंदा | स्नान | – नहाना |
| धूर्त | – कपटी, ठग | सलाह | – मशवरा, परामर्श |
| योजना | – किसी काम को करने का विचार | माथा पीट लेना | – अपनी भूल पर पछताना |

### शिक्षण-निर्देश

❖ अध्यापक व्यावहारिक उदाहरणों द्वारा बच्चों में स्वयं निर्णय लेने की क्षमता का विकास करें।

## पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

**लिखित** [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) यजमान ने पंडित भोलानाथ को दक्षिणा में क्या दिया?

(ख) पंडित जी की किन लोगों से रास्ते में मुलाकात हुई?

(ग) तीनों ठगों ने पंडित जी को क्या बात समझाई?

(घ) पंडित जी ने बकरी को क्यों छोड़ दिया?

(ङ) यजमान ने पंडित जी को क्या समझाया?

(च) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?



Scanned with CamScanner